

# Organic market may touch ₹12,000 cr by 2020

Organic packaged food market to cross ₹87.1 crore by 2021: Assocham-EY study

## OUR BUREAU

New Delhi, March 21

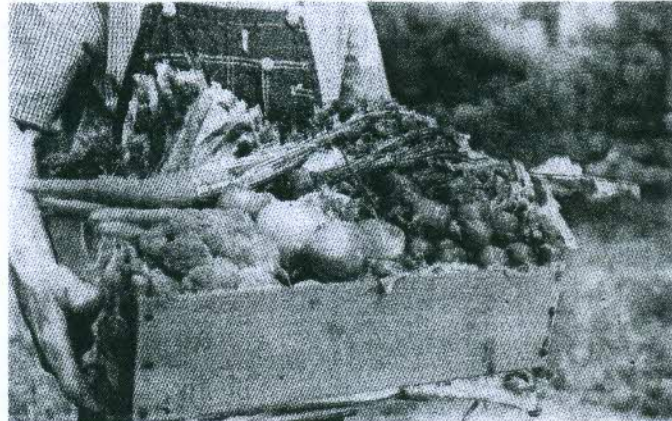
The organic products market in India has been growing at a CAGR of 25 per cent and it is expected to touch ₹10,000-₹12,000 crore by 2020 from the current market size of ₹ 4,000 crore, according to a report produced jointly by Assocham and Ernst & Young.

Even though India has the highest number of farmers currently engaged in organic farming at 8,35,000, the country accounts for less than 1 per cent the global organic market pie which is valued at \$90 billion in 2016, the report said. In terms of total area under organic cultivation, India ranks at 9<sup>th</sup> position with 1.49 million hectares. Australia, which tops the list, has more than 27 million hectares under organic farming, it said.

Inaugurating a national conference on organic farming organised by Assocham along with others, Union Agriculture Minister Radha Mohan Singh said organic farming should be promoted with the same spirit as Green Revolution as India was the country with maximum number of organic farmers.

### Certification process

The minister said there was a limit what the government can do to promote organic farming. "The government cannot pro-



FSTOP123/GETTY IMAGES

mote organic farming alone. There are many NGOs and organisations that have a crucial role to play," he said, adding that data needs to be systematically collected through scientific methods in order to improve certification process.

However, many experts who spoke at the event subsequently stressed upon challenges faced by the organic farming sector.

"One of the major challenges faced by consumers who buy organic products by paying so much premium is that whether they can trust the product to be authentic or not," said Amit Bajaj of Ernst & Young.

At the farmer level, getting certification and auditing done was still a cumbersome process, which takes up to 3-4 years. A farmer who is switching from conventional farming to organic farming has to bear a huge cost in the initial years and there is very little support available to him to make that switch, Bajaj said.

Talking in the similar vein, Pankaj Agarwal, Managing Director of Tetra Agro Private Limited, said organic products are currently sold in the country completely on the basis of trust and consumer has almost no way to check the authenticity of the claim.

### Packaged food market

"Currently, Indian organic market is retailer-driven and aggregator-powered and there is a need to make it consumer-driven and farmer-powered," Agarwal said.

The Assocham-EY joint study also estimated that the market size for Indian organic packaged food is expected to cross ₹ 87.1 crore by 2021 from ₹ 53.3 crore in 2016, growing at a rate of 17 per cent.

"The substantial growth of this sector is attributed to an expanding urban population base, rising health concerns, growing consumer spending on food products and deterioration of food quality," it said.

# अधिक आमदनी के लिए जैविक खेती अपनाएं किसान



■ फसलों में रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से बढ़ते किसान : राधा मोहन  
 ■ दुनिया में बदल रहा है खानपान का तरीका  
 ■ भारत दुनिया का है सबसे बड़ा जैविक उत्पादक देश।

## ■ नई दिल्ली (वार्ता)।

कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने बुधवार को किसानों से अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों का उपयोग नहीं कर जैविक कृषि क्रांति करने का अनुरोध करते हुए कहा कि इससे उनकी आय बढ़ेगी।

सिंह ने यहां उद्योग संगठन एसोचैम की ओर से जैविक खेती पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा जैविक उत्पादक देश है। दुनिया में लोगों के खानपान का तरीका बदल रहा है और लोग जैविक उत्पादों को अपने आहार का हिस्सा बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों में मिट्टी के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता आनी है और वे वैज्ञानिक तरीके



नई दिल्ली में बुधवार को एसोचैम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक जारी करते कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह।  
 से जैविक खेती कर रहे हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि यह सही है कि रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से उत्पादन काफी बढ़ा है लेकिन अब इस पर सवाल उठाए जा रहे हैं क्योंकि बड़े भूभाग में मिट्टी पर इसका बुरा असर हुआ है। देश में करीब 22.5 लाख हेक्टेयर में जैविक

खेती को जा रही है। परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत संस्थानों से ढाई लाख हेक्टेयर में किसान जैविक खेती कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि सरकार ने देश में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए परम्परागत कृषि विकास योजना शुरू की है और इसके लिए अलग से बजट का प्रावधान किया गया है। जैविक खेती करने वाले किसान समूहों को तीन वर्ष की अवधि तक प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। अब तक करीब 8,000 किसान समूहों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2022 तक देश में यूरिया का उपयोग आधा करना चाहते हैं और ऐसा सभी पक्षों के सहयोग से हो सकता है।

# जैविक खेती से किसानों की आय बढ़ेगी: राधा मोहन

नई दिल्ली | एजेसी

कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने किसानों से अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों का उपयोग न करने को कहा है। उन्होंने जैविक कृषि क्रांति करने का अनुरोध करते हुए बुधवार को कहा कि इससे उनकी आय बढ़ेगी।

सिंह ने उद्योग संगठन एसोचैम की ओर से जैविक खेती पर आयोजित सम्मेलन में कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा जैविक उत्पादक देश है। दुनिया में लोगों के खानपान का तरीका बदल रहा है और लोग जैविक उत्पादों को अपने आहार का हिस्सा बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों में मिट्टी के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता आई है और वे वैज्ञानिक तरीके से जैविक खेती कर रहे हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि यह सही है कि रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से उत्पादन काफी बढ़ा है, लेकिन अब इस पर सवाल उठाए जा रहे हैं, क्योंकि बड़े भू-भाग में मिट्टी पर इसका बुरा असर हुआ है। देश में करीब 22.5

## जैविक खेती करने पर सहायता

जैविक खेती करने वाले किसान समूहों को तीन वर्ष की अवधि तक प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। अब तक करीब 8,000 किसान समूहों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2022 तक देश में यूरिया का उपयोग आधा करना चाहते हैं और ऐसा सभी पक्षों के सहयोग से हो सकता है। नीम लेपित यूरिया के कारण न केवल फसलों का उत्पादन बढ़ा है, बल्कि किसानों ने इसके उपयोग में मात्रा को कम किया है।

लाख हेक्टेयर भूमि पर जैविक खेती की जा रही है। परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत संस्थागत रूप से ढाई लाख हेक्टेयर में किसान जैविक खेती कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि सरकार ने देश में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए परंपरागत कृषि विकास योजना शुरू की है।

## वैज्ञानिक जैविक खेती से किसानों की आय होगी दोगुनी : सिंह

नई दिल्ली, 21 मार्च(भाषा)।

कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने बुधवार को किसानों की आय को दोगुना करने के लिए वैज्ञानिक तरीके से जैविक खेती करने की बात कही और सभी अंशधारकों से क्षेत्र में क्रांति लाने में समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि संयोग से भारत दुनिया का सबसे बड़ा जैविक खेती करने वाला देश है। इस बात को सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि किसान जैविक खेती को अधिक वैज्ञानिक तरीके से अपनाएं ताकि उन्हें बेहतर उत्पादन हासिल हो और अधिक लाभ की प्राप्ति हो।

सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना किया जाए। दलवाई समिति इस मामले पर गौर कर रही है और शीघ्र ही वे इस लक्ष्य को हासिल करने के बारे में सिफारिशें पेश करेंगे। सिंह ने एसोचैम के एक कार्यक्रम में कहा- कुछ लोगों ने हैरत जताई कि जैविक खेती किस तरह से किसानों की आय को दोगुना करने में मदद करेगी। इसलिए हम जैविक खेती को अधिक वैज्ञानिक तरीके से प्रोत्साहित कर रहे हैं। हालांकि, सरकार परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) जैसे कार्यक्रमों के जरिए किसानों को जैविक खेती को अपनाने को प्रोत्साहित कर रही है लेकिन हर स्तर पर अंशधारकों के समर्थन की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा- हमें हरित क्रांति की ही तरह जैविक खेती में भी क्रांति लाने की जरूरत है।

## जैविक खेती से किसानों की आय होगी दोगुनी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने बुधवार को किसानों की आय दोगुनी करने के लिए वैज्ञानिक ढंग से जैविक खेती की वकालत करते हुए कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए हितधारकों का समर्थन मांगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि भारत जैविक खेती करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश है। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा जैविक खेती को अधिक से अधिक वैज्ञानिक तरीके से करना सुनिश्चित करने के लिए प्रयास जारी हैं, ताकि बेहतर उत्पादन के साथ ही लाभ भी अधिक हो। सरकार का लक्ष्य साल 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करना है। एजेंसी

